इकाई - III

10. क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

प्रश्न :

1. यह दृश्य कहाँ का है?
2. औरतें क्या कर रही हैं?
3. क्या आप ऐसी जगह गये हो और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

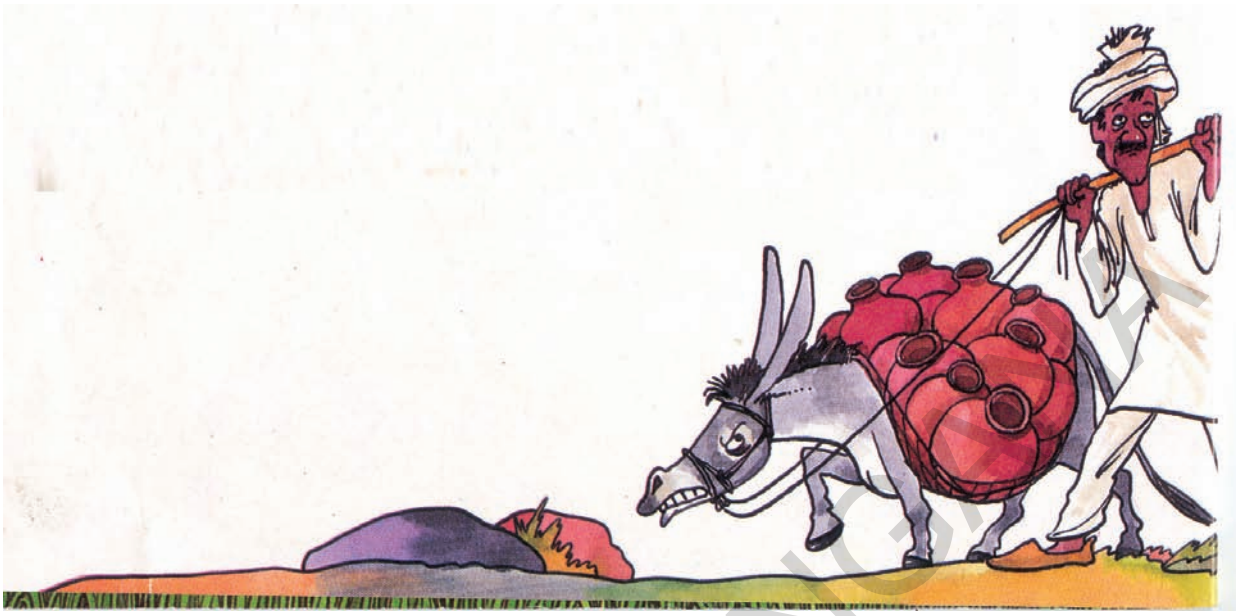

इनसे मिलिए – ये हैं, क्योंजीमल। बात-बात पर पूछ देते हैं- क्यों-क्यों-क्यों?

भले ही आप से जवाब देते बने या नहीं। पता नहीं क्यों!

और ये हैं उनके दोस्त – कैसे-कैसलिया।

ये भी कोई कम नहीं हैं, मौका लगते ही पूछ देते हैं – कैसे-कैसे-कैसे?

भूले-भटके कभी दोनों से एक साथ मुलाकात हो गई तो क्यों और कैसे के बीच ही भटकते रहेंगे आप।

क्यों-क्यों-क्यों? कैसे-कैसे-कैसे?

पढ़िए और पता कीजिए ।

SCERT TELANGANA

गुरुजी नमस्ते! किधर चले?
नमस्ते! ज़रा बाज़ार जा रहा हूँ।
बाज़ार? क्यों-क्यों-क्यों?
गेहूँ पिसवाना है, इसलिए।
बाज़ार? कैसे-कैसे-कैसे?
साइकिल पर! वैसे निकला
तो पैदल था, पर थैली देख कर
शिवदास ने अपनी गाड़ी दे दी।

अच्छा, गेहूँ पिसवाना है। क्यों-क्यों-क्यों?
अरे, आटा जो चाहिए।
पिसवाना? कैसे-कैसे-कैसे?
चक्की में, भई।
आटा? क्यों-क्यों-क्यों?
क्यों भैया रोटी नहीं बनाएँगे?
रोटी? कैसे-कैसे-कैसे?
अरे आटे को सानेंगे, बेलेंगे, तवे पर पकाएँगे,
आग पर फुलाएँगे ।
सानेंगे? क्यों-क्यों-क्यों?
सुनो-सने आटे में थोड़ा पानी रहता है न?
आग पर तपने से यही पानी भाप बनकर
बिली हुई रोटी को पकाता है,
इसलिए सानेंगे।
सानेंगे, कैसे-कैसे-कैसे?

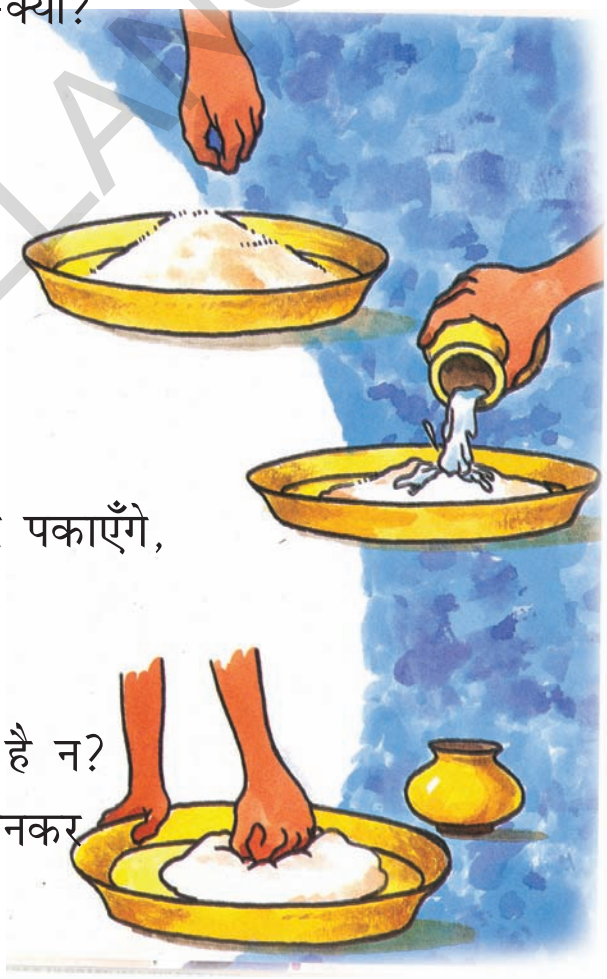

SCERT TELANGANA

तुमने कभी देखा नहीं है क्या?
परात पर आटा निकालेंगे, चुटकी भर नमक डालेंगे, फिर धीरे-धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेंगे। पहले-पहले सारा आटा बिखरेगा, फिर उसे समेटेंगे, और अच्छे से सान लेंगे। समझे?
अच्छा, परात पर! क्यों-क्यों-क्यों? कैसे-कैसे-कैसे?
गुरुजी : तुम लोगों की क्यों और कैसे में तो मेरी चक्की ही बंद हो जाएगी!
बंद हो जाएगी! क्यों-क्यों-क्यों?
बंद हो जाएगी! कैसे-कैसे-कैसे?
लेकिन तब तक गुरुजी
साइकिल पर सवार फुर्र हो चुके हैं।

सुबीर शुक्ला

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपके मन में अपने वातावरण के प्रति क्या जिज्ञासा होती है?
2. रोटी कैसे बनायी जाती है? अपने शब्दों में लिखिए।
3. बच्चों के सवालों से बड़े किस तरह तंग होते हैं?
4. हम गेहूँ पिसवाने आटा–चक्की पर जाते हैं। हम इन कामों के लिए कहाँ जाते हैं?

• आटा खरीदने	.....
• पंचर बनवाने	.....
• दूध खरीदने	.....
• जूते की मरम्मत करवाने	.....
• सुराही खरीदने	.....
• कॉपी–किताब खरीदने	.....
• बाल कटवाने	.....

• अपने घर के पास की आटा–चक्की पर जाइए और पता कीजिए कि –

✧ वहाँ क्या-क्या पिसता है?

✧ आटा–चक्की किस चीज़ से चलती है?

✧ दिन में चक्की को कितनी बार रोका जाता है?

© CERT TELANGANA

पढ़िए

1. क्योंजीमल और कैसेलिया का नाम कहाँ तक सार्थक है?

2. गुरुजी कहाँ जा रहे थे?

लिखिए

1. कहा जाता है कि काम पर जाते समय टोकना नहीं चाहिए। ऐसा क्यों कहा जाता होगा?

2. **आप** गुरुजी की जगह होते तो क्या करते?

शब्द भंडार

1. **आपके** घर में आटा सानने को क्या कहते हैं?

2. रोटी बनाने के लिए किन-किन चीज़ों की आवश्यकता पड़ती है?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. रोटी पर कविता **बनाइए**।

जैसेः छोटी-छोटी रोटी

गोल-गोल रोटी.....

प्रशंसा

■ जीवन में कई प्रकार के कार्य करने पड़ते हैं। कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। हर कार्य का अपना-अपना महत्व होता है। ऐसे किसी दो कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपने विचार **लिखिए**।

भाषा की बात

निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

1. चुटकी भर नमक डालिए।, 2. हमारे घर आज दाल बनी है।, 3. आटे से रोटी बनती है।

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

- नीचे रसोई की कुछ चीज़ों के चित्र बने हैं उन्हें देखकर बताइए कि रोटी बनाने में कौन-कौनसी चीज़ इस्तेमाल नहीं होती। तो ऐसी चीज़ों का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जाएगा? लिखिए।

सामान का नाम	इस्तेमाल
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर संवाद लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA